नारीलोक

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का मासिक मुखपत्र

नवम्बर, 2024 अंक 316

अध्यक्षीय कार्यालय :
SARITA DAGA
45-46, Gem Enclave, Pradhan Marg,
Malviya Nagar,Jaipur-302017
Mob.: 9413339841
Email: president@abtmm.org

अध्यक्षीय आह्वान

प्रिय बहिनों,

सादर जय जिनेन्द्र!

ज्योति पर्व पर आलोकित हो, श्रद्धा-आस्था दीप जलाएं।
स्व विवेक को जागृत कर, ज्योतिर्मय हम बन जाएं॥

'भगवान महावीर निर्वाणोत्सव एवं ज्योति पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएं'

कार्तिक माह लौकिक एवं लोकोत्तर, दोनों दृष्टियों से श्री सम्पन्न होने की भावना से ओत-प्रोत है। एक तरफ जहाँ हम जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर के निर्वाणोत्सव पर आध्यात्मिक आराधना करते है वहीं दूसरी तरफ लौकिक परम्परा के अनुसार हम दीपावली के रूप में दीपोत्सव मनाते है। जीवन को ज्योतिर्मय बनाने के लिए यह पर्व प्रेरणा का पर्व है। कार्तिक शुक्ला द्वितीया को गुरुदेव श्री तुलसी की जन्म जयन्ती भी है। गुरुदेव तुलसी, जिन्होंने अंध रूढ़ियों को दूर कर महिला शक्ति को आगे बढ़ने का साहस दिया, वरदान स्वरूप उद्घाटित हुआ महिलाओं का सशक्त संगठन अभातेममं.। पूरा महिला समाज श्रद्धा से नतमस्तक हो आपके प्रति कृतज्ञतायुक्त वंदन करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित करता है।

आलोक पुंज परम पूज्य आचार्य श्री महाश्रमणजी भी अपने आभा मंडल से हम सबको आलोकित कर रहे है। आप द्वारा प्रदत्त अमृत देशना न केवल संघ एवं समाज को अपितु पूरे विश्व को ज्योतिर्मय बना रही है। पूरा विश्व आपके प्रति श्रद्धा एवं आस्था का भाव व्यक्त करता है।

बहिनों! दीपोत्सव के इस पर्व पर प्रज्वलित एक-एक दीपक की लौ से यह प्रेरणा मिलती है कि हर आत्मा अनन्त प्रकाश का पुंज है और उस पुंज के सामने आ रहे आवरण को दूर करने के लिए पुरुषार्थ की अपेक्षा है। महिला पूरे परिवार की धूरी है और उस धूरी के माध्यम से प्रस्फुटित संस्कार पूरे परिवार को आलोकित करते है। बहिनों, संस्कार न आसमान से उतरते है और न धरती से प्रस्फुटित होते है, यह तो पल-पल का नवसृजन है। हम अपने आचार-व्यवहार से जीवन को आदर्श बनाएं, सम, शम एवं श्रम की त्रिवेणी से जीवन को संवारते हुए सुनहरे भविष्य की ओर कदम बढ़ाएं। आवेश, आवेग और आग्रह से मुक्त बन हमारे व्यवहार में इतनी मधुरता हो कि शब्दों में शहद सी मिठास हो। बहिनों, इस मधुरता को हम परिवार और समाज के धरातल पर प्रयोग में लाती है तो निश्चित ही हम सबकी प्रिय बन जाएंगी। पूज्य गुरुदेव का यह कथन कि ''जीवन की सफलता के लिए 'श्री', 'ह्री', 'धी' तीनों बहुत जरूरी है। 'श्री'-लक्ष्मी, 'ह्री'- अर्थात अनुशासन, 'धी' यानि बुद्धि। जीवन में अनुशासन है तो लक्ष्मी और बुद्धि सुख देती है। हमें 'श्री', 'धी' के विकास के साथ 'ह्री' आत्मानुशासन का विकास करना है। पूरे विश्वास एवं संकल्प के साथ शक्ति जगाएं, सोच में सकारात्मक उदारता लाएं, सामंजस्य के भावार्थ को आचरण में लें, एक क्रांतिकारी मशाल बनें। आलोक पर्व पर आलोकित जीवन की मंगल कामना।

शुभाकांक्षी

Sarita Daga

सरिता डागा

लिखें शक्ति की नई ऋचाएं, अनुशासन के दीप जलाएं

POWERHOUSE

रोज की एक सलाह

अपनी शक्ति को पहचानो। उसकी रक्षा करो। उसका विकास करो और उसका सही उपयोग करो। वह किसी के विनाश का साधन न बने, किसी के विकास का माध्यम ही बने।

तुम दूसरों का भला कर सको अथवा न भी कर सको– पर दूसरों का बुरा न करने का दृढ़ संकल्प करो। भगवती अहिंसा तुम पर प्रसन्न होगी।

–आचार्य महाश्रमण (रोज की 1 सलाह से साभार)

गणाधिपति गुरुदेव श्री तुलसी की 111वीं जन्म जयन्ती पर कृतज्ञता भरा वंदन

तेरापंथ के नवम् अधिशास्ता
गणाधिपति गुरुदेव श्री तुलसी

ज्योतिर्मय चिन्मय आर्यदेव! युग की आस्था के सेतुबन्ध।
तुम क्रान्तिदूत भारत–सपूत, तुम महाकाव्य के मधुर छन्द॥

तुम युगदृष्टा युगस्रष्टा तुम, युग की गतिविधि के विज्ञाता
युगबोध दिया सम्बोध दिया, युग जीवन के अनुसन्धाता
युग की हर जटिल समस्या का, हल खोज बने युक–निर्माता
युग की अनुगूंज सुनी तुममें, तुम युग–वाङ्मय के उद्गाता
युग की सांसों में रमण करे, गुरुदेव! तुम्हारी सुयश गंध॥

तुम तुंग हिमाचल शिखर भव्य, तुम गंगा की निर्मल धारा
तुम विमल हृदय उच्छ्वास नव्य, चमके नभ में बन ध्रुवतारा
अभिनव समाज–दर्शन देकर, काटी झट जड़ता की कारा
निज पर शासन : फिर अनुशासन, गुंजित नभ–धरती में नारा
अपने युग के अवधूत अमल, जनजीवन के तुम परिस्पन्द॥

उत्साह उमंग रवानी का, दरिया बनकर बहना सीखा
छूने हर शिखर सफलता का, तुमने सब कुछ सहना सीखा
सुरधनुष सलोने रचे बहुत, अपने भीतर रहना सीखा
कब कैसे क्या हो पाएगा, तुमने न कभी कहना सीखा
अक्षय ऊर्जा के दिव्य कोष!, बांटी सबको ऊर्जा अमन्द॥

हार्दिक श्रद्धांजलि
चिर ऋणी
अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

करणीय कार्य

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

के तत्वावधान में

प्रेक्षाध्यान कार्यशाला

विषय वस्तु	विवरण	समय
Theory	प्रेक्षाध्यान अर्थ, इतिहास एवं जीवन शैली	20 मिनट
Theory	दीर्घ श्वास प्रेक्षा (आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक आधार एवं लाभ)	25 मिनट + 5 मिनट
ध्यान	दीर्घ श्वास प्रेक्षा प्रयोग	30 मिनट
विराम समय (10 मिनिट)		
Theory	कायोत्सर्ग (आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक आधार एवं लाभ)	25 मिनट + 5 मिनट
ध्यान	सम्पूर्ण कायोत्सर्ग प्रयोग	30 मिनट
Theory	प्रेक्षा चर्या के सूत्रों का स्पष्टीकरण	15 मिनट
जिज्ञासा एवं समाधान (10 मिनट)		

कार्यशाला से संबंधित विशेष ध्यान रखने योग्य बिंदु :

* कार्यशाला में प्रशिक्षण के लिए क्षेत्र में विराजित चारित्रात्माओं अथवा समणी जी का सहयोग आवश्यक रूप से लिया जाए।
* क्षेत्र में अगर प्रेक्षा प्रशिक्षक हो तो प्रशिक्षण उनके द्वारा भी लिया जा सकता है।
* जिन क्षेत्रों में चारित्रात्माओं का सान्निध्य प्राप्त नहीं है एवं प्रेक्षा प्रशिक्षक भी उपलब्ध नहीं है, उन क्षेत्रों में प्रायोगिक प्रशिक्षण हेतु आचार्यश्री महाप्रज्ञ की आवाज में ऑडियो रिकॉर्ड है जो आपके **Whatsapp** ग्रुप में भेजा गया है, आप उसका भी उपयोग कर सकते है।
* यह तीन घंटे की प्रेक्षा ध्यान कार्यशाला दो माह में एक बार आपको आयोजित करनी है, जिसका प्रारूप नारीलोक के माध्यम से आपको मिलता रहेगा।
* क्षेत्रीय महिला मंडलों से अनुरोध है कि जो बहिनें रेगुलर इन सारी प्रेक्षाध्यान की कार्यशाला में उपस्थित रहती हैं, उनका विशेष रूप से स्थानीय स्तर पर मूल्यांकन किया जाए, इसलिए अपेक्षित है कि बहिनों की उपस्थिति रिकॉर्ड फोन नंबर के साथ मेंटेन किया जाए।
* संदर्भ पुस्तक– दर्शन और प्रयोग (आचार्यश्री महाप्रज्ञ)।

अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें : संयोजिका श्रीमती वीणा बैद : 94480 63260.

कन्या मंडल : करणीय कार्य

स्नेहिल कन्याओं,

सादर जय जिनेन्द्र !

दीपावली का पर्व आप सभी के जीवन में नव उन्मेष भरें और आप अपने कार्यों में सफलता प्राप्त करें, यही शुभाशंसा।

प्यारी कन्याओं, नवम्बर माह में एक विशेष दिन भी आता है– बाल दिवस। आप सभी बचपन की दहलीज को पार कर अपने जीवन के अग्रिम पथ की ओर गतिमान है, तो क्यों न बचपन की उन प्यारी यादों को और निर्दोष मुस्कुराहट को एक बार पुनः जीवित करें। इस परिकल्पना को चरितार्थ करने आपके समक्ष प्रस्तुत है नवम्बर माह का करणीय कार्य।

'आओ संवारें बच्चों का कल'

* आप सभी से निवेदन है कि आप अपने क्षेत्र की किसी एक स्कूल में जाए और वहाँ के छात्रों के लगभग 1 घंटे का समय व्यतीत करें।
* इस निष्पत्ति जनक समय में उन बच्चों को कहानी के माध्यम से शिक्षा प्रदान करें।
* प्रेक्षाध्यान के स्मृति विकास के प्रयोग करवाएं एवं दैनिक जीवन में खानपान की शुद्धि कैसे बनी रहे? इन विषयों पर प्रशिक्षण दें। बच्चों के भावी जीवन में आने वाला परिवर्तन हमारे लिए एक निवेश का कार्य करेगा।
* आप अपने क्षेत्र में जिस भी स्कूल में जा रहे हो, वहाँ की सारी एक्टिविटी को 2 मिनट के वीडियो में रिकॉर्ड करें और वीडियो और 4 फोटो कार्यक्रम की संयोजिका को प्रेषित करे (संयोजिका– जागृति चौरड़िया, 7980746388)।
* आपको 14 नवम्बर 'चिल्ड्रन्स डे' को लक्षित कर इस कार्यक्रम को आयोजित करना है।

ड्रेस कोड – गणवेश

आप सभी को पुनःश्च दीपावली की ढेर सारी बधाईयाँ।

आपकी दीदी
अदिति सेखानी

प्रेक्षा प्रवाह : शांति एवं शक्ति की ओर
Online कार्यशाला

आचार्यश्री महाश्रमणजी द्वारा घोषित प्रेक्षा कल्याण वर्ष के उपलक्ष में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल एवं प्रेक्षा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में **Zoom** पर 'प्रेक्षा प्रवाह : शक्ति और शांति की ओर' इस थीम पर 'करें उत्थान की दिशा में प्रस्थान' विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें मंडल सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साह से भाग लिया। कार्यशाला का शुभारंभ अभातेममं. की मुख्य न्यासी श्रीमती पुष्पा बैंगानी द्वारा नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुआ। मुख्य न्यासी ने वर्ष भर चलने वाली इस प्रेक्षा पर्व की धारा के प्रति मंडल परिवार की ओर से अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।

कार्यशाला के क्रम को आगे बढ़ाते हुए मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया एवं उन्होंने वर्तमान युग में प्रेक्षा ध्यान की उपयोगिता को स्पष्ट करते हुए शाखा मंडलों से आह्वान किया कि गुरुदेव द्वारा इंगित प्रेक्षा ध्यान कल्याण वर्ष को हम सबको सार्थक दृष्टि से सफल बनाना है। इसके लिए हमें योजनापूर्ण तरीके से पूर्ण समर्पित भाव से काम करना है। आपने कहा कि प्रेक्षा ध्यान का विधिवत शुभारंभ एवं नामकरण सन् 1975 में जयपुर में हुआ। इस अवसर पर प्रेक्षा फाउंडेशन के वाइस चेयरमैन श्री अमित जैन ने अभातेममं. की तरफ से किए जा रहे इस कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्रेक्षा ध्यान महिला समाज के विकास में योगभूत बने। इससे अच्छी तो और कोई बात हो ही नहीं सकती कि एक महिला के केन्द्र में परिवार और समाज के रिश्ते घूमते है अर्थात एक महिला योग और ध्यान में पारंगत होती है तो वह स्वस्थ वातावरण, स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकती है।

प्रेक्षा प्रवाह गतिविधि की मंडल द्वारा मनोनीत संयोजिका रा.का.स. श्रीमती वीणा बैद ने प्रेक्षा प्रवाह उपक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि प्रेक्षा ध्यान परम सत्य को समर्पित व्यक्ति की स्पिरिचुअल ग्रोथ के लिए एक महत्वपूर्ण साधना है। इस साधना में व्यक्ति के अभ्यास की निरंतरता ही व्यक्ति को स्वस्थ एवं आत्म साक्षात्कार की दिशा में आगे बढ़ाती है। प्रेक्षा ध्यान हमारे डेली रूटीन में शामिल हो जाए, आपने वर्षभर प्रतिमाह आयोजित होने वाली ऑनलाइन और ऑफलाइन वर्कशॉप्स के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वरिष्ठ प्रेक्षा प्रशिक्षक श्रीमती विजया छलानी द्वारा दीर्घ श्वास प्रेक्षा का प्रयोग करवाया गया। उपस्थित प्रतिनिधियों की जिज्ञासाओं के समाधान का क्रम भी चला। कार्यक्रम का संचालन रा.का.स. श्रीमती नीलिमा बैद ने किया।

Cancer Awareness Programme- November, 2024

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का एक वर्षीय 'कैंसर जागरूकता अभियान' आप सभी के सक्रिय सेवा भावों को ऊजागर कर देशभर में जागरूकता फैला रहा है। इसके अंतर्गत अब तक हम सभी ने मिलकर कई अहम कार्यों को संपादित किया है, जिसमें **Testings**, **Zoom Sessions**, कैंसर मरीजों से बातचीत, गाँव, फैक्ट्रीज आदि जाकर बहिनों की जाँच इत्यादि प्रमुख है।

कई शाखा मंडलों द्वारा मरीजों के परिवारों को आर्थिक, मानसिक सहयोग भी प्रदान किया गया है। अभियान की सार्थकता के लिए बहिनों का श्रम प्रशंसनीय है। डॉक्टर्स से प्राप्त जानकारी के अनुसार कैंसर की समस्या महिलाओं में अधिक हो रही है, इसलिए हम बहिनों को और अधिक जागरूक होकर प्रयास करना है।

इस माह के करणीय कार्य के अंतर्गत आप **Walkthon**/रैली का आयोजन कर सकते है।

रैली से संबंधित कुछ ध्यानार्थ बिन्दु :

1. रैली में महिलाएं गणवेश में रहे तथा कलर थीम के अनुसार हल्के गुलाबी **(Pink)** रंग का **Ribbon** लगाएं।
2. रैली में बहिनों को स्लोगन लिखे हुए **Poster** लेकर चलना है जिसका प्रारूप **ABTMM website www.abtmm.org** पर उपलब्ध है। आवश्यकतानुसार पोस्टर का वितरण भी किया जा सकता है।
3. स्थानीय मंडल प्रशासनिक अनुमति के बाद ही रैली के कार्यक्रम को आयोजित करें।
4. रैली का समापन संभवतः किसी अस्पताल में करे एवं वहीं पर दिए हुए विषय पर किसी डॉक्टर के साथ **Talk Show** भी आयोजित कर सकते है।
5. रैली से जुड़ा एक वीडियो (अधिकतम 30 सैकंड) एवं एक ही फोटो **(Collage)**इस नंबर 9500063879 पर 30 नवम्बर, 2024 तक भेजने का प्रयत्न करें।

अन्य किसी भी जानकारी हेतु संयोजिका रा.का.स.- श्रीमती अनिता बरड़िया से इस नम्बर 9500464089 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

जैन स्कॉलर योजना

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा संचालित जैन स्कॉलर योजना के चतुर्थ बैच के पाठ्यक्रम प्रशिक्षण कक्षाएं एवं परीक्षाएं दिनांक 4 नवम्बर से 11 नवम्बर, 2024 तक 'रोहिणी' जैन विश्व भारती, लाडनूं में आयोजित की जा रही है। सभी स्कॉलर के प्रति अभातेमम की तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं।

जैन स्कॉलर निर्देशिका	जैन स्कॉलर सह-निर्देशिका	संयोजिका
डॉ. मंजू नाहटा	श्रीमती कनक बरमेचा	श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा

तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन परीक्षा

अभातेमम के तत्वावधान में आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अंतर्गत तत्त्वज्ञान एवं तेरापंथ दर्शन परीक्षाओं का आयोजन दिनांक 18 व 21 दिसम्बर, 2024 को होगा। अपने क्षेत्र में विराजित परीक्षार्थी चारित्रात्माओं की परीक्षा का वर्ष और जिस क्षेत्र में परीक्षा देंगे, वहाँ का पता, फोन नंबर और ई-मेल एड्रेस 7 नवम्बर, 2024 तक राष्ट्रीय संयोजिका श्रीमती कुसुम बैंगाणी को अवश्य भेज दें। पुस्तकों के लिए लाडनूं कार्यालय से सम्पर्क करें मो.: 7733888138.

श्रीमती कुसुम बैंगाणी, 233, वीर अपार्टमेंट, सेक्टर 13, रोहिणी, दिल्ली-110085, मो.: 8010139367.

कैंसर जागरूकता अभियान : Zoom Session

23 अक्टूबर, 2024

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के कैंसर जागरूकता अभियान के कार्यक्रमों की श्रृंखला में इस माह के **Zoom Session** के अंतर्गत हमारे बीच **Radiation Oncologist Specialist** डॉ. मधु साईराम ने **Chemotherapy** से जुड़ी विशेष जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का शुभारंभ संरक्षिका श्रीमती शांता पुगलिया द्वारा नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने इस अभियान के अंतर्गत हो रही गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी देते हुए सभी का स्वागत किया। डॉ. मधु साईराम ने कैंसर के लक्षणों एवं उनके निदान के संबंध में अनेक महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रस्तुत की। उपस्थित संभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी दिया गया। यह **Zoom Session** काफी प्रभावी रहा, इसी के अंतर्गत दिल्ली, फरीदाबाद, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश से भी चिकित्सा संबंधी जिज्ञासाएं अध्यक्षीय कार्यालय में भेजी गई। डॉ. मधु साईराम का परिचय प्रोजेक्ट संयोजिका श्रीमती अनिता बरड़िया ने दिया एवं संचालन रा.का.स. श्रीमती जयश्री जोगड़ ने किया।

डॉ. मधु साईराम ने बताया कि कैंसर बहुत ही **Common** बीमारी हो गई है, इसलिए सजगता बहुत ही आवश्यक हो गई है- कैंसर से जागरूकता के कुछ मुख्य ध्यानार्थ बिंदु :

लक्षण :

1. कैंसर होने के मुख्य लक्षणों में पहला मुख्य कारण हो सकता है- मोटापा (**Obesity**), नशीले पदार्थों के सेवन से भी ज्यादा खतरनाक है मोटापा। अधिक वजन से कैंसर होने का खतरा अधिक होता है। इसलिए- **"Reduce food- increase activity"** के सूत्र को अपनाएं।
2. हमारी जीवन शैली (**Life Style**), रहन-सहन जितना सादा होगा, उतना ही स्वास्थ्य अच्छा होगा।
3. नशीले पदार्थों का सेवन।

निदान :

* 28-45 वर्ष की महिलाएं 5 वर्ष में एक बार **Mammogram Test** या **HPV DNA Test** जरूर करवायें।
* **Chemotherapy** के **side effects** हर मरीजों के लिए अलग-अलग होता है, इसलिए घबराये नहीं। इस विषय पर खुल के बात करें।
* **Saaisha India Foundation** नामक संस्था कैंसर मरीजों के लिए निःशुल्क बालों के विग्स, **Pro Thesis** भेज रही है। जरूरतमंद परिवारों के लिए सम्पर्क सूत्र- 9840462708 इस प्रकार है।
* **Cancer Immunotherapy** और **CAR-T Cell therapy** नाम का भी एक इलाज है जो इन दिनों काफी प्रचलित है और कैंसर रोगों के लिए अत्यंत लाभदायक सिद्ध हो रहा है। इस **Zoom Session** में 272 बहिनों की उपस्थिति रही।

तेरापंथ महिला मंडल घाटकोपर द्वारा 'श्रीउत्सव' का आयोजन

13 अक्टूबर, 2024, घाटकोपर।

अभातेममं. के निर्देशानुसार तेममं, घाटकोपर द्वारा श्री उत्सव का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने नमस्कार महामंत्र के उच्चारण के साथ श्री उत्सव का विधिवत उद्घाटन करते हुए मंडल की परियोजनाओं की जानकारी प्रदान की एवं बहिनों को सक्रियता से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। स्थानीय मंडल की बहिनों द्वारा प्रेरणा गीत एवं मंडल अध्यक्ष श्रीमती भावना चपलोत ने स्वागत वक्तव्य दिया। इस अवसर पर अभातेममं. की पूर्व अध्यक्ष व रा.का.स. श्रीमती कुमुद कच्छारा ने अपनी कर्मभूमि में राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं टीम का स्वागत कर प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यक्रम में अभातेममं. संरक्षक श्रीमती शांता देवी पुगलिया, परामर्शक श्रीमती विमला नाहटा, रा.का.स. श्रीमती निर्मला चण्डालिया, श्रीमती संगीता चपलोत, श्रीमती जूली मेहता के साथ-साथ स्थानीय संस्थाओं के पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती प्रीति सिंघवी ने किया एवं आभार ज्ञापन श्रीमती निधि लोढ़ा ने किया। संयोजिका श्रीमती रीना संचेती, श्रीमती श्वेता हीरण, तेममं, घाटकोपर की बहिनों एवं कन्या मंडल की सदस्याओं का श्रम मुखर रहा।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में

तेरापंथ महिला मंडल, राजनगर द्वारा

'प्रवर्द्धन' महिला सेमिनार का आयोजन

1 अक्टूबर, 2024, राजनगर।

मेवाड़ की वीर भूमि, आचार्य भिक्षु बोधि स्थल राजनगर में प्रवर्द्धन कार्यशाला का आयोजन साध्वीश्री डॉ. परमप्रभाजी एवं साध्वीश्री लब्धियशा जी ठाणा 6 के पावन सान्निध्य में भिक्षु निलयम, राजनगर में किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने सेमिनार की अध्यक्षता की। कार्यक्रम का शुभारंभ साध्वीश्रीजी के नमस्कार महामंत्र के उच्चारण के साथ हुआ। स्थानीय मंडल की बहिनों ने प्रेरणा गीत की प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर साध्वी डॉ. परमप्रभा जी ने अपने उद्‌बोधन में फरमाया कि महिला किसी भी क्षेत्र में डॉक्टर, पुलिस या राजनीति में रहते हुए भी नैतिक रूप से स्वस्थ रहते हुए सही दिशा की ओर अग्रसर होती रहे, इस सेमिनार का उद्‌देश्य यही है। साध्वीश्री लब्धियशाजी ने अपने उद्‌बोधन में फरमाया कि महिला शक्ति के विकास को देखते हुए लगता है अगली सदी महिलाओं की होगी तब सब निर्णय महिलाओं की सहमति से होंगे। आचार्यश्री तुलसी ने समाज से सब कुरीतियों को हटाने के लिए महिलाओं को नींव का पत्थर बनाया, उसी की परिणाम है कि आज बहिनें बड़े से बड़े कार्यों को सहजता व सरलता से कर लेती है। सहवर्ती साध्वियों द्वारा प्रेरणास्पद सामूहिक गीत प्रस्तुत किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने संभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि मेवाड़ स्तरीय आंचलिक प्रबुद्ध महिला सेमिनार प्रवर्द्धन का बहुत ही सुंदर आयोजन राजनगर महिला मंडल ने आयोजित किया। यहाँ बहुत अच्छा टीम वर्क दिखाई दे रहा है और प्रबुद्ध महिलाओं की उपस्थिति भी बहुत अच्छी है। महिला किसी भी विषय पर अपना स्वतंत्र चिंतन रखती है, वह अपने परिवार का सिंचन करने वाली होती है तो वह प्रबुद्ध महिला की श्रेणी में आती है। आपने महिला मंडल की योजनाओं की जानकारी देते हुए आगामी कार्यों की चर्चा की। स्थानीय मंडल अध्यक्ष श्रीमती सुधा कोठारी ने स्वागत भाषण किया एवं भिक्षु बोधि स्थल के अध्यक्ष श्री हर्ष नवलखा ने भी सबका अभिनंदन करते हुए इस आयोजन हेतु राष्ट्रीय अध्यक्ष का धन्यवाद ज्ञापित किया। मंडल की बहिनों द्वारा परिसंवाद के रूप में 60 दशक के समय की महिलाओं और आधुनिक महिलाओं की तुलना का कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। तेरापंथ कन्या मंडल द्वारा अतिथियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। राजनगर में कार्यशाला के आयोजन के लिए रा.का.स. प्रभारी श्रीमती डॉ. नीना कावड़िया ने मेवाड़ की श्रद्धा भक्ति का उल्लेख करते हुए अपनी भावनाएं व्यक्त की। मुख्य अतिथि राजसमंद जिला प्रमुख श्रीमती रतनी देवी जाट ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

द्वितीय सत्र :

महामंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल एवं रा.का.स. श्रीमती उषा सिसोदिया ने मॉडरेटर की भूमिका निभाते हुए टॉक शो के माध्यम से जिज्ञासा समाधान प्रश्नोत्तर के माध्यम से किया गया। इस सेमिनार में पैनलिस्ट के रूप में श्रीमती चेतना भाटी, DySP, उदयपुर, श्रीमती भुवनेश्वरी जड़ेजा शक्तावत, सेलिब्रिटी स्किन कोच, उदयपुर, श्रीमती वर्षा कृपलानी, समाजसेविका, निम्बाहेड़ा की उपस्थिति रही। जिज्ञासा समाधान के रूप में आयोजित यह सत्र काफी आकर्षक रहा। राजनगर की युवती बहिनों द्वारा विभिन्न त्याग का उल्लेख करते हुए त्याग Tree बनाया गया जिसमें 150 बहिनों ने त्याग लिए एवं 6 संकल्पों के साथ संकल्प पत्र भी भरवाए गये। सेमिनार में मेवाड़ के 30 क्षेत्रों से लगभग 150 बहिनें एवं 57 अन्य प्रबुद्ध बहिनों के साथ-साथ 500 से अधिक भाई-बहिनों ने अपनी सहभागिता दर्ज करवाई। सेमिनार में तेरापंथ विकास परिषद के सदस्य श्री पदमचंद पटावरी एवं स्थानीय संस्थाओं के पदाधिकारियों के साथ-साथ पत्रकार बंधु भी विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती रितु धोका एवं सहमंत्री श्रीमती डोली बडोला ने किया एवं आभार तेमम. मंत्री श्रीमती चेष्टा धोका ने किया।

समृद्ध राष्ट्र योजना- विद्यालय संरक्षण : जयपुर

7 अक्टूबर, 2024, जयपुर।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की परियोजना समृद्ध राष्ट्र के अंतर्गत तेमम. जयपुर शहर द्वारा 'विद्यालय संरक्षण' प्रोग्राम के अंतर्गत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, राजावास में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने विद्यालय संरक्षण से संबंधित जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि हम विभिन्न स्कूलों को संरक्षण में लेने की बजाय भले ही एक स्कूल का संरक्षण दायित्व ले लेकिन उसे पूर्ण जागरूकता के साथ निभाएं। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मंडल द्वारा विद्यालय को प्रदत्त सभी उपकरणों का उद्घाटन किया। स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती हेमलता पारीक ने स्वागत किया एवं रा.का.स. श्रीमती पुष्पा बैद ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए बच्चों को 9 मंगल भावनाओं की जानकारी देते हुए उच्चारण करवाया। कार्यक्रम में प्रायोजक के रूप में कांतिलाल मैमोरियल ट्रस्ट का सहयोग रहा एवं अभातेमम ट्रस्टी श्रीमती विमला दुगड़ की विशेष उपस्थिति रही। विद्यालय की ओर से राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं तेमम, जयपुर शहर अध्यक्ष श्रीमती नीरू मेहता, मंत्री श्रीमती नीलिमा बैद एवं प्रायोजक परिवार को प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। आभार ज्ञापन स्थानीय मंडल मंत्री श्रीमती नीलिमा बैद द्वारा किया गया।

भावना सेवा

उपासना का अनुपम अवसर
भावना सेवा

श्रावक के बारह व्रत में एक व्रत है- अतिथि संविभाग व्रत। इस व्रत से जुड़ने वाला व्यक्ति सुपात्र दान का लाभ प्राप्त कर अपने कर्मों की निर्जरा करता है। अभातेमम का एक प्रकल्प भावना सेवा है जिससे जुड़कर मंडल की कई बहिनों ने अतिथि संविभाग व्रत को समझा है और सेवा का अच्छा लाभ भी लिया है। परमपूज्य आचार्य प्रवर की रास्ते की सेवा में, भावना सेवा प्रकल्प में अनेक शाखा मंडल जुड़ते हैं। इस वर्ष यह प्रकल्प 21 नवम्बर, 2024 से प्रारम्भ किया जा रहा है। जो शाखा मंडल इस प्रकल्प के अंतर्गत सेवा देना चाहते हैं, वे संयोजिका से सम्पर्क कर अपनी तिथि आरक्षित करवालें।

संयोजिका : श्रीमती मधु देरासरिया- 9427133069,
श्रीमती शशिकला नाहर- 9741344340, श्रीमती ममता रांका- 9414142924.

संरक्षणम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में तेरापंथ महिला मंडल, कांदिवली द्वारा महाराष्ट्र स्तरीय 'संरक्षणम्' कार्यशाला का आयोजन

14 अक्टूबर, 2024, कांदिवली (मुम्बई)।

कर्मजा शक्ति से बनाएं पहचान,
कदम रहे सदा गतिमान।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में तेरापंथ महिला मंडल, कांदिवली द्वारा महाराष्ट्र स्तरीय **'संरक्षणम्'** कार्यशाला का आयोजन **साध्वीश्री डॉ. मंगलप्रज्ञाजी** के सान्निध्य में तेरापंथ भवन, कांदिवली में हुआ। कार्यशाला की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्रीमती सरिता डागा** ने की। यह कार्यशाला सुरक्षा अपनी धरोहर की, संरक्षण अतीत के उजले आलेखों का, संरक्षण वर्तमान के खिलते सुमनों का, संरक्षण उभरती नई पौध का, इन 4 सत्रों में आयोजित की गई।

कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए **साध्वीश्री डॉ. मंगलप्रज्ञाजी** ने कहा कि संगठन अपने आप में एक महाशक्ति है, जिस संगठन में शुभ विचार होते है वह संगठन विकास की अप्रतिम ऊंचाइयाँ प्राप्त कर लेता है। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल गति – प्रगति करते हुए जागरूकता के साथ अपने दायित्व का निर्वहन कर रहा है। आपने फरमाया कि संगठन में कार्यों को सम्पादित कर मात्र रिपोर्ट ही प्रस्तुत नहीं करनी है अपितु उसका प्रतिफल मिलना चाहिए। चुनौतियों में भी जीत का प्रण होना चाहिए। महिलाओं को अपनी कार्य शक्ति से पहचान बनानी है। घर-परिवार एवं समाज में जो कुरीतियों की दहशत फैल रही है, उसे हटाने का सलक्ष्य प्रयास करना चाहिए। बड़े बुजुर्ग संस्कारों की धरोहर सौंप कर गये है, उसकी सुरक्षा करे, अपने कर्त्तव्य, दायित्व के साथ अतीत के आलेखों का संरक्षण करे। जरूरत है जैनत्व के संस्कार भावी पीढ़ी में संक्रांत करने की। हमारे विचार मात्र विचार ना रहे, जीवन व्यवहार में उनका अवतरण हो। यह संरक्षणम् कार्यशाला सबके लिए प्रेरणा बन जाए। हमें संघ से विकास के पथ मिल रहे है। हमारी आत्मनिष्ठा, संघ निष्ठा और गुरु निष्ठा बढ़ती रहे। नए संकल्पों के साथ प्रस्थान कर अपनी अस्मिता का संरक्षण हर बहिन का संकल्प बने। अतीत की प्रेरणा, वर्तमान का संकल्प और भविष्य के प्रति जागरूकता रहनी चाहिए। राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्रीमती सरिता डागा** ने अपने वक्तव्य में प्रेरणा प्रदान करते हुए कहा कि गौरवशाली इतिहास की धरोहर पर हमें अपने संस्कारों और संस्कृति का संरक्षण करना है। महामंत्री **श्रीमती नीतू ओस्तवाल** ने इस आयोजन के लिए तेमम, कांदिवली की बहिनों के श्रम के लिए उन्हें बधाई दी। चार सत्रों में आयोजित इस कार्यशाला में **साध्वी सुदर्शनप्रभाजी,**

साध्वी अतुलयशाजी, साध्वी राजुलप्रभाजी एवं साध्वी चैतन्यप्रभाजी के निर्धारित विषयों पर प्रेरक वक्तव्य के साथ-साथ रा.का.स. श्रीमती कुमुद कच्छारा, श्रीमती जयश्री जोगड़, श्रीमती निर्मला छाजेड़ एवं श्रीमती जयश्री बड़ाला एवं श्रीमती प्रीति ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

श्रीमती तारा मणोत द्वारा संकल्प गीत की प्रस्तुति से प्रारम्भ हुई इस कार्यशाला में साध्वी प्रमुखाश्रीजी के संदेश वाचन के साथ साध्वी वृंद द्वारा संरक्षणम् गीत का संगान किया गया। तेमम, कांदिवली अध्यक्ष श्रीमती विभा श्रीश्रीमाल ने स्वागत वक्तव्य दिया एवं मंडल की बहिनों ने स्वागत गीत की प्रस्तुति दी। कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में विभिन्न क्षेत्रों से समागत बहिनों ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया एवं कन्या मंडल, कांदिवली ने अंग्रेजी भाषा में मंगलाचरण की प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित श्रीमती विद्या ठाकुर (पूर्व राज्यमंत्री एवं विधायक) के साथ-साथ स्थानीय संस्थाओं के पदाधिकारियों ने भी कार्यशाला के प्रति शुभकामनाएं प्रेषित की।

अंतिम सत्र 'संवाद' के अंतर्गत राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केन्द्रीय टीम ने बहिनों की जिज्ञासाओं का समाधान दिया। अभातेमम. द्वारा तेमम, कांदिवली को प्रतीक चिह्न एवं सहभागी सभी मंडलों को प्रमाण-पत्र दिए गए। 'संरक्षणम्' कार्यशाला में अभातेमम. परामर्शक श्रीमती विमला नाहटा, कोषाध्यक्ष श्रीमती तरुणा बोहरा, रा.का.स. श्रीमती संगीता चपलोत, श्रीमती जूली मेहता आदि की भी गरिमामय उपस्थिति रही। विभिन्न सत्रों का संचालन तेमम, कांदिवली की बहिनों द्वारा किया गया एवं आभार ज्ञापन मंत्री श्रीमती नीतू दूगड़ ने किया। इस कार्यशाला में महाराष्ट्र के 32 क्षेत्रों एवं मुम्बई महानगर की 46 क्षेत्रों की लगभग 450 बहिनों की सहभागिता रही।

संगठन सम्पर्क यात्रा

13 अक्टूबर, 2024, डोंबिवली (मुम्बई)।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा अपनी टीम के साथ डोंबिवली (मुम्बई) पहुँची। यहाँ विराजित उग्रविहारी तपोमूर्ति मुनिश्री कमलकुमारजी स्वामी के दर्शन कर मंडल की गतिविधियों की जानकारी निवेदित की। इस अवसर पर मुनिश्री ने फरमाया कि आप धर्म संघ की ज्यादा से ज्यादा प्रभावना करें और अपना तथा मंडल का विकास करें। तेमम, डोंबिवली द्वारा स्वागत एवं मंडल अध्यक्ष श्रीमती सीमा कोठारी द्वारा मंडल की गतिविधियों की जानकारी देने के पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने अपने वक्तव्य में कहा कि मंडल की स्थायी परियोजनाओं के साथ-साथ हमें स्कूल संरक्षण तथा तत्त्वज्ञान और तेरापंथ दर्शन कार्यशालाओं में भी सहभागिता दर्ज करवानी है। अभातेमम. के नए प्रोजेक्ट **SEP Program** के बारे में जानकारी देते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अधिक से अधिक बहिनों और कन्याओं को इस कार्यक्रम से जुड़ने की प्रेरणा प्रदान की। रा.का.स. श्रीमती निर्मला चिण्डालिया ने भी मंडल की गतिविधियों की जानकारी दी। इस संगठन संपर्क यात्रा में रा.का.स. श्रीमती जूली मेहता की भी सहभागिता रही। स्थानीय मंत्री श्रीमती अनीता धाकड़ ने स्थानीय मंडल द्वारा किए जाने वाले भावी कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की।

13 अक्टूबर, 2024, चैम्बुर (मुम्बई)

संगठन सम्पर्क यात्रा के अंतर्गत राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा अपनी टीम के साथ चैम्बुर में विराजित साध्वीश्री राकेश कुमारीजी के दर्शन कर मंडल की गतिविधियों की जानकारी निवेदित की। साध्वीश्रीजी ने फरमाया कि समय-समय पर सार-संभाल करने से क्षेत्र में उत्साह एवं जागरूकता बढ़ जाती है। आपने बताया कि चैम्बुर सक्रिय एवं समर्पित क्षेत्र है। तेमम, चैम्बुर की बहिनों को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उन्हें सक्रियता से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। स्थानीय मंडल अध्यक्ष श्रीमती मनीषा कोठारी ने स्वागत करते हुए केन्द्रीय टीम को मंडल द्वारा संचालित गतिविधियों से अवगत करवाया। इस यात्रा में राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ रा.का.स. श्रीमती कुमुद कच्छारा, श्रीमती निर्मला चिण्डालिया, श्रीमती जूली मेहता की भी सहभागिता रही। आभार ज्ञापन स्थानीय मंत्री श्रीमती बेला डांगी ने किया।

जैन भारती प्रश्नोत्तरी

ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी

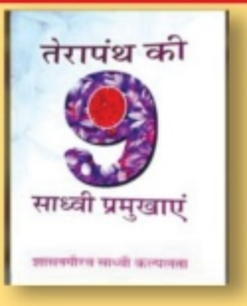

नवम्बर, 2024

सन्दर्भ पुस्तक : तेरापंथ की 9 साध्वी प्रमुखाएं (पेज संख्या 136 से 161)

निम्न प्रश्नों के उत्तर दें

1. आचार्यश्री तुलसी के पदाभिषेक का ऐतिहासिक कार्यक्रम कहाँ पर आयोजित हुआ?
2. साध्वीप्रमुखा कानकंवरजी के संयम प्रदाता गुरु कौन थे?
3. रतननगर में कौनसी भाषा के मर्मज्ञ विद्वानों का अच्छा जमावड़ा था?
4. साध्वीप्रमुखा झमकूजी को आहार-पानी के विभाग से मुक्त आचार्यश्री ने कहाँ पर किया?
5. कालूयशोविलास के रचयिता कौनसे आचार्य हैं, उनका नाम लिखिये?
6. साध्वीप्रमुखा कानकंवरजी के कहने पर चारों रजोहरण का परीक्षण कौनसी साध्वी ने किया?
7. तेरापंथ की कौनसी सुविख्यात साध्वीश्री का सान्निध्य झमकुजी को मिला जिन्हें ज्योतिष का भी गहरा अनुभव था?
8. साध्वीप्रमुखा कानकंवरजी के परिवार से कुल कितने सदस्य दीक्षित हुए?
9. आचार्य श्री कालूगणी के वामहस्त में फुंसी (अंगुली) का ऑपरेशन कौनसे गाँव में किया गया?
10. झमकूजी के विवाह के कितने साल बाद पांचीरामजी की मृत्यु हुई?

रिक्त स्थान की पूर्ति करें

11. साध्वी झमकूजी के विनय, नम्रता, सेवा, कर्मठता एवं कला के साथ ..... आचार-व्यवहार से सबको प्रभावित किया।
12. हमें इस संघ में साधना करने का सौभाग्य मिला है, यह भी हमारा ..... है।
13. झमकूजी के वैराग्य का परीक्षण कर आचार्यवर ने ..... सीखने का आदेश दे दिया और कुछ समय पश्चात् दीक्षा की अनुज्ञा प्रदान की।
14. पाल्यो संयम सांतरो, बरस उणपच्चास। बाल्यकाल ....., सदा हृदय सोल्लास॥
15. ..... में उठा हाथ कल्याण की कामना और मधुर वाणी में जब वे प्रेरणा देती, लोग हर्ष से गद्गद हो जाते।
16. बालिका झमकू का जन्म सं. 1944 कार्तिक कृष्णा त्रयोदशी को हुआ जिसे लोकभाषा में ..... कहते हैं।
17. जिस परिवार की आचार्यश्री कालूगणी जैसे ..... हीरे ने आब बढ़ाई और साध्वीप्रमुखा कानकंवरजी एवं मातुश्री छोगांजी ने जन्म लिया उस परिवार का सौभाग्य स्वयंभू प्रमाणित है।
18. शुभ मुहूर्त में उल्लासमय वातावरण में बालिका ..... का विवाह पांचीरामजी के साथ धूमधाम से हो गया।
19. संयोग की बात थी कि साध्वीप्रमुखा कानकंवरजी और साध्वीप्रमुखा नवलांजी दोनों कृष्णा ..... को स्वर्गवासी हुई।
20. कहते हैं साध्वीप्रमुखाजी प्रतिवर्ष एक बार आगम ..... का परायण कर लेती?

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें : संयोजिका : श्रीमती इन्दिरा लुणिया, कटक
Mob.: 9438368264, E-mail: luniaindira@gmail.com

Google Form submit करने की अन्तिम तिथि : 20 नवम्बर, 2024

Google Form Link : https://forms.gle/g76yfVm5pH5sGWTL6

अक्टूबर, 2024 प्रश्नोत्तरी के सही उत्तर

1. साध्वी खूमांजी	2. सालासर	3. दुलीचंदजी दूगड़	4. मौसी भानजी	5. साध्वी संतोकाजी
6. रामायण	7. लच्छीरामजी	8. बीदासर	9. चार हजार	10. साध्वीप्रमुखा कानकंवरजी
11. विदुषी	12. सिरेकंवरजी	13. लाभूरामजी	14. ग्यारह	15. मजीठी
16. विवेकशील	17. अजेय	18. साध्वाचार	19. गुरुकुलवास	20. सबल

अक्टूबर, 2024 प्रश्नोत्तरी के भाग्यशाली विजेता

1. संगीता चपलोत, अकोला	2. अरुणा छाजेड़, बेलडांगा	3. नन्दिनी गर्ग, पटियाला
4. पुष्पा बैद, भोपाल	5. चंदा डूंगरवाल, छोटी खाटू	6. आशा जैन, गुड़गांव
7. शांता कास्वा, इंदौर	8. सुनीता सुराणा, सूरत	9. रेखा कोठारी, केलवा
	10. सुशीला बोकड़िया, पूर्वांचल कोलकाता	

लिखें शक्ति की नई ऋचाएं, अनुशासन के दीप जलाएं

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को प्राप्त अनुदान

अनुदान सूची एवं प्रेरणा दाता

1.	युवा गौरव श्रीमान पदमचंद जी, श्रीमती गुलाब देवी पटावरी, मोमासर-राजनगर	1,00,000
2.	श्रीमान पन्नालाल जी, श्रीमती चाँद छाजेड़, श्री डूंगरगढ़-अहमदाबाद	51,000
3.	श्रीमान लक्ष्मीलाल, श्रीमान दिनेशचन्द्र बाफना, उधना (सूरत)	31,000
4.	तेरापंथ महिला मंडल, कामरेज (भावना सेवा)	22,000
5.	श्रीमती शांता मेहता (स्व. श्री पुखराजजी गांधी मेहता की स्मृति में), सूरत	21,000
6.	तेरापंथ महिला मंडल, राजनगर (भावना सेवा)	21,000
7.	तेरापंथ महिला मंडल, डोंबीवली (भावना सेवा)	21,000
8.	तेरापंथ महिला मंडल, वापी (भावना सेवा)	21,000
9.	श्रीमती निर्मला, श्रीमती कल्पना, श्रीमती ध्वनि चव्हाण, राजनगर (भावना सेवा)	5,100
10.	तेरापंथ महिला मंडल, नवरंगपुर, उड़ीसा (भावना सेवा)	5,100

सभी अनुदानदाताओं के प्रति हार्दिक आभार !

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी' जैन विश्व भारती, लाडनूं 341 306 (जिला- नागौर, राजस्थान)

श्री नारीलोक

महामंत्री कार्यालय

महामंत्री
नीतू ओस्तवाल
5-0-1&2, आर.सी. व्यास कॉलोनी,
सूर्यांश, मदर टैरेसा स्कूल के पास,
भीलवाड़ा-311001 (राज.)
मो.: 9257011205
secretary@abtmm.org

देखने हेतु

www.abtmm.org
www.facebook.com/abtmmjain/
https://bit.ly/abtmmyoutube

कोषाध्यक्ष कार्यालय

कोषाध्यक्ष
तरुणा बोहरा
203, 204, सांघवी एक्जोटिका,
मराठा कॉलोनी, दहिसर वेस्ट,
मुम्बई-400068
मो.: 8976601717
tarunajain365@gmail.com